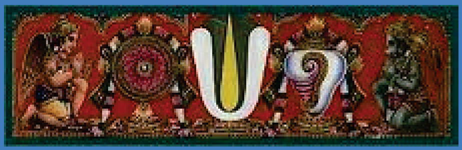

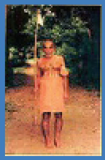

श्रीमत् वेदान्त रामानुज मुनि करुणालब्ध वेदान्त युग्मम्
श्रीमत् श्रीवास योगीश्वर गुरुपदयोर्पित स्वात्मभारम्
श्रीमत् श्रीरङ्गनाताह्वय मुनिकृपया प्राप्त मोक्षाश्रमं तं
श्रीमत् वेदान्त रामनुज मुनिमपरम् संश्रये देशिकेन्द्रम्

श्रीमत् श्रीवास योगीश्वर मुनि करुणालब्ध वेदान्त युग्मम्
श्रीमत् वेदान्त रामानुज गुरुपदयोर्पित स्वात्मभारम्
श्रीमत् श्रुत्यन्त रामानुज यति नृपतेः प्राप्त मोक्षाश्रमं तं
श्रीमत् श्रीवास रामनुजमुनिं संश्रये ज्ञानवार्धिम्

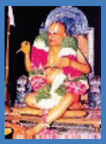

वेदान्त लक्ष्मण मुनीन्द्र कृपात्त बोधम्
तत्पाद युग्म सरसीरुह भृङ्गराजम्
त्रय्यन्त युग्म कृतभूरि परिश्रमं तं
श्रीरङ्ग लक्ष्मणमुनिम् शरणं प्रपद्ये

श्री श्रीनिवास गद्यं

shrI shrInivAsa gadyaM

श्री श्रीनिवास गद्यं

श्रीमदखिल महीमण्डल-मण्डन धरणी-धर मण्डला-खण्डलस्य - निखिल-सुरासुर वन्दित वराहक्षेत्र विभूषणस्य - शेषाचल-गरुडाचल सिंहाचल-वृषभाचल नारायणाचल-अंजनाचलादि शिखरि-मालाकुलस्य - नाथ-मुख बोध-निधि वीथिगुण-साभरण सत्त्वनिधि-तत्त्वनिधि भक्ति-गुणपूर्ण श्रीशैलपूर्ण-गुणवशंवद परमपुरुष-कृपापूर विभ्रमद-तुङ्गशृङ्ग गलद्-गगन गङ्गा-समालिङ्गि तस्य

सीमातिग गुण-रामानुजमुनि-नामाङ्कित बहु-भूमाश्रय सुर-धामालय वन-रामायत वनसीमा-परिवृत विशङ्कट-तट निरन्तर-विजृम्भित भक्तिरस निर्जरानन्तार्या-हार्य प्रस्रवण-धारापूर विभ्रमद-सलिल भर-भरित महातटाक-मण्डितस्य

कलि-कर्दम मल-मर्दन कलि-तोद्यम विल-सद्यम नियमा-दिम मुनि-गण निषेव्य-माण प्रत्यक्षी भवन्निज-सलिल समज्जन-नमज्जन निखिल-पापनाशना पापनाशन तीर्था-ध्यासितस्य

मुरारि-सेवक जरादि-पीडित निरार्ति-जीवन निराश-भूसुर वराति-सुन्दर सुराङ्ग-नारति कराङ्ग-सौष्ठव कुमार-ताकृति कुमार-तारक समाप-नोदय दनून-पातक महा-पदामय विहाप-नोदित सकलभुवन-विदित कुमार-धाराभिधान तीर्थाधिष्ठि-तस्य

धरणि-तल गत-सकल हत-कलिल शुभ-सलिल गत-बहुळ विविध-मल हति-चतुर रुचिर-तर विलोकन-मात्र विदळित-विविध महा-पातक स्वामि-पुष्करिणी समेतस्य

बहु-सङ्कट नरका-वट पतदुत्-कट कलि-कङ्कट कलुषोद्-भट जन-पातक विनि-पातक रुचि-नाटक कर-हाटक कलशा-हृत कमला-रत शुभ-मंजन जल-सज्जन भर-भरित निज-दुरित हति-निरत जन-सतत निरस्त-निरर्गळ पेपीय-मान सलिल-सम्भृत विशङ्कट कटाह-तीर्थ विभूषि-तस्य

श्री श्रीनिवास गद्यं

एव-मादिम भूरि-मंजिम सर्व-पातक गर्व-हापक सिन्धु-डम्बर हारि-शम्बर विविध-विपुल पुण्य-तीर्थ निवह निवासस्य

श्रीमतो वेङ्कटाचलस्य

शिखर शेखर महाकल्पशाखी

खर्वी भव दति गर्वी कृत गुरुमेर्वी शगिरि-मुखोर्वी धर-कुलदर्वी कर-दयितोर्वी धर-शिखरोर्वी सतत-सदूर्वी कृति-चरण नव-घन गर्व-चर्वण निपुण-तनु किरण-मसृणित गिरि-शिखर शेखर-तरुनिकर तिमिरः

वाणी-पतिशः वाणी-दयितेन् द्राणिश्वर-मुख नाणीयोरस-वेणी निभशुभ-वाणी नुत-महिमाणी यस्तर-कोणी भव-दखिल भुवन-भवनोदरः

वैमानिक गुरु-भूमाधिक गुण-रामानुज कृत-धामाकर कर-धामारि दरल-लामाच्छकनक दामायित-निजरामालय नवकिस-लयमय तोरण-मालायित वनमाला-धरः

कालाम्बुद-मालानिभ नीलालक-जालावृत बालाब्ज-सलीलामल फालाङ्क-समूलामृत धाराद्वयाव-धीरण धीर-ललिततर विशद-तर घन घन-सार मयोर्ध्व-पुण्ड्र रेखाद्वय-रुचिरः

सुविकस्वर-दळभास्वर कमलोदर-गतमेदुर नवकेसर-ततिभासुर परिपिंजर-कनकाम्बर कलितादर-ललितोदर तदलम्ब-जम्भरिपु मणिस्तम्भ-गम्भीरि-मदम्भ-स्तम्भ समुज्-जृम्भमाण पीवरोरु-युगळ तदालम्ब-पृथुल कदली-मुकुल मद-हरण जङ्घाल-जङ्घायुगळः

नव्यदल-भव्यमल पीतमल-शोणिमल सन्मृदुल-सत्किसलया श्रुजल-कारिबल शोणतल-पदकमल निजाश्रय-बलबन्दी-कृत शरदिन्दुमण्डली विभ्रम-दादभ्र शुभ्र पुनर्भवा-धिष्ठिताङ्गुळी गाढनिपीडित पद्मासनः

जानु-तलावधि लम्ब-विडम्बित वारण-शुण्डा दण्ड-विजृम्भित नील-मणिमय कल्पक-शाखा विभ्रम-दायि मृणाळ-लतायित समुज्ज्वल-तर कनक-वलय वेल्लितैक-तर बाहु-दण्डयुगळः

युग-पदुदित कोटि-खरकर हिमकर-मण्डल जाज्वल्यमान-सुदर्शन पांचजन्य-समुत्तुङ्गित श‍ृङ्गापर-बाहुयुगळः

अभिनवशाण-समुत्तेजित महामहा-नीलखण्ड मदखण्डन-निपुण नवीन-परितप्त कार्तस्वर-कवचित महनीय-पृथुल सालग्राम-परम्परा गुम्भित-नाभिमण्डल पर्यन्त-लम्बमान प्रालम्बदीप्ति-समालम्बित विशाल-वक्षःस्थलः

गङ्गाझर-तुङ्गाकृति भङ्गावळि-भङ्गावह सौधावळि-बाधावह धारानिभ-हारावळि दूराहत-गेहान्तर मोहावह-महिम मसृणित-महातिमिरः

पिङ्गाकृति-भृङ्गारु निभाङ्गार-दळाङ्गामल निष्कासित-दुष्कार्यघ निष्कावळि दीपप्रभ-नीपच्छवि तापप्रद-कनकमालिका पिशङ्गित-सर्वाङ्गः

नव-दळित दळ-वलित मृदु-ललित कमल-तति मद-विहति चतुर-तर पृथुल-तर सरस-तर कनक-सरमय रुचिर-कण्ठिका कमनीय-कण्ठः

वाताशनाधिपति शयन-कमन परिचरण-रतिसमेताखिल फणधरतति-मतिकरवर कनकमय-नागाभरण-परिवीताखिलाङ्ग वगमित शयनभूताहिराज-जातातिशयः

रविकोटी-परिपाटी धरकोटी-रवराटी कितवीटी-रसधाटी धरमणिगणकिरण-विसरण सततविधुत-तिमिरमोह गार्भगेहः

अपरिमित-विविधभुवन भरिताखण्ड-ब्रह्माण्डमण्डल पिचण्डिलः

श्री श्रीनिवास गद्यं

आर्यधुर्यानन्तार्य-पवित्र खनित्रपात-पात्रीकृत निजचुबुक-गतव्रणकिण विभूषण-वहनसूचित श्रितजन-वत्सलतातिशयः

मड्डु-डिण्डिम ढमरु-जर्झर काहळी-पटहावळी मृदुमद्दलादि-मृदङ्ग दुन्दुभि ढक्किका-मुख हृद्य-वाद्यक मधुर-मङ्गळ नादमेदुर

विसृमर सरस-गानरस रुचिर-सन्तत सन्तन्यमान

नित्योत्सव पक्षोत्सव मासोत्सव सम्वत्सरोत्सवादि विविधोत्सव कृतानन्दः

श्रीमद् आनन्दनिलय विमानवासः

सतत पद्मालय पदपद्मरेणु सञ्चित वक्षस्थल पटवासः

श्री श्रीनिवासः सुप्रसन्नो विजयताम्

नाटारभि भूपाळ बिलहरि मायामाळव गौळ असावेरी सावेरी शुद्धसावेरी देवगान्धारी

धन्यासी बेगड हिन्दुस्तानी कापी तोडि नाटकुरुंजी श्रीराग सहन अठाण सारङ्गी

दर्बारु पन्तुवराळी वराळी कळ्याणी भूरिकळ्याणी यमुनाकळ्याणी हुशेनी जंझोठी कौमारी

कन्नड खरहरप्रिया कलहंस नादनामक्रिया मुखारी तोडी पुन्नागवराळी काम्भोजी भैरवी

यदुकुलकाम्भोजी आनन्दभैरवी शङ्कराभरण मोहन रेगुप्ती सौराष्ट्री नीलाम्बरी गुणक्रिया मेघगर्जनी

हंसध्वनि शोकवराळी मध्यमावती जेंजुरुटी सुरटी द्विजावन्ती मलयाम्बरी कापी परशुधनासिरी देशिकतोडी

आहिरी वसन्तगौळी सन्तु केदारगौळ कनकाङ्गी रत्नाङ्गी गानमूर्ती वनस्पती वाचस्पती

श्री श्रीनिवास गद्यं

दानवती मानरूपी सेनापती

हनुमत्तोडी धेनुका नाटकप्रिया कोकिलप्रिया रूपवती गायकप्रिया

वकुळाभरण चक्रवाक सूर्यकान्त हाटकाम्बरी झङ्कारध्वनी

नटभैरवी कीरवाणी हरिकाम्भोदी धीरशङ्कराभरण नागानन्दिनी यागप्रिया

विसृमर सरस-गानरस रुचिर-सन्तत सन्तन्यमान

नित्योत्सव पक्षोत्सव मासोत्सव सम्वत्सरोत्सवादि विविधोत्सव कृतानन्दः

श्रीमद् आनन्दनिलय विमानवासः

सतत पद्मालय पदपद्मरेणु सञ्चित वक्षस्थल पटवासः

श्री श्रीनिवासः सुप्रसन्नो विजयताम्

श्रीअलर्मेल्मङ्गा नायिकासमेतः श्रीश्रीनिवास स्वामी सुप्रीतः सुप्रसन्नो वरदो भूत्वा

पवन पाटली पालाश बिल्व पुन्नाग चूत कदळी चन्दन चम्पक मंजुळ मन्दार हिंजुलादि तिलक मातुलुङ्ग नारिकेळ क्रौंचशोक माधूकामलक हिन्दुक नागकेतक पूर्णकुन्द पूर्णगन्ध रस कन्द वन वंजुळ खर्जूर साल कोविदार हिन्ताल पनस विकट वैकसवरुण तरुघमरण विचुळङ्काश्वत्थ

यक्ष वसुध वर्माध मन्त्रिणी तिन्त्रिणी बोध न्यग्रोध घटवटल जम्बूमतल्ली वीरतचुल्ली वसति वासती जीवनी पोषणी प्रमुख निखिल सन्दोह तमाल माला महित विराजमान चषक

मयूर हंस भारद्वाज कोकिल चक्रवाक कपोत गरुड नारायण नानाविध पक्षिजाति समूह

ब्रह्म क्षत्रिय वैश्य शूद्र नानाजात्युद्भव देवता निर्माण

श्री श्रीनिवास गद्यं

माणिक्य वज्र वैढूर्य गोमेधिक पुष्यराग पद्मरागेन्द्र नील प्रवाळमौक्तिक स्फटिक हेम रत्नखचित धगद्-धगायमान रथ
गज तुरग पदाति सेना समूह

भेरी मद्दळ मुरवक झल्लरी शङ्ख काहळ नृत्यगीत ताळवाद्य कुम्भवाद्य पंचमुखवाद्य अहमीमार्गन्नटीवाद्य किटिकुन्तलवाद्य सुरटीचौण्डोवाद्य तिमिलकविताळवाद्य तक्कराग्रवाद्य

घण्टाताडन ब्रह्मताळ समताळ कोट्टरीताळ ढक्करीताळ एक्काळ धारावाद्य पटहकांस्यवाद्य

भरतनाट्यालङ्कार किन्नर किम्पुरुष

रुद्रवीणा मुखवीणा वायुवीणा तुम्बुरुवीणा गान्धर्ववीणा नारदवीणा स्वरमण्डल रावणहस्तवीणास्तक्रिय अलङ्कियालङ्कृत अनेकविध वाद्य वापीकूपतटाकादि

गङ्गायमुना रेवावरुणा शोणनदी शोभनदी सुवर्णमुखी वेगवती वेत्रवती क्षीरनदी बाहुनदी गरुडनदी कावेरी ताम्रपर्णी प्रमुखाः महापुण्यनद्यः सकलतीर्थैः

सहोभयकूलङ्गत सदाप्रवाह ऋग्-यजुस्-साम-अथर्वण वेद-शास्त्र-इतिहास-पुराण सकलविद्याघोष

भानुकोटिप्रकाश चन्द्रकोटि समान नित्यकळ्याण परम्परोत्तरोत्तर अभिवृद्धिः भूयादिति

भवन्तो महान्तोऽनुगृह्णन्तु
ब्रह्मण्यो राजा धार्मिकोऽस्तु
देशोयं निरुपद्रवोऽस्तु
सर्वे साधुजनास्सुखिनो विलसन्तु
समस्तसन्मङ्गळानि सन्तु
उत्तरोत्तराभिवृद्धिरस्तु
सकलकळ्याण समृद्धिरस्तु